3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

राम(रमेश से) – कल मेरे पिताजी कुँए में गिर गए।
रमेश – तुझे कैसे पता चला।
राम– कुँए से चिखने की आवाज आ रही थी।
रमेश – अब कैसे हैं वो?
राम – अब ठीक ही होंगे, वैसे अब कुँए से आवाज तो नहीं आ रही है।

राम (राजू से)– दो बकरे अगर कुँए में गिर जाएं तो कैसे निकलेंगे?
राजू – नहा के निकलेंगे।

रमेश – आज मुझे जमीन पर २ रू. के सिक्के मिले।
राजेश – वो मेरे हैं।
रमेश – अरे जा मुझे तो १–१ रू. के दो सिक्के मिले हैं।
राजेश – मेरे सिक्के जमीन पर गिरकर टूट गए होंगे।

* अमित थवाईत (बिर्रा)

अंग्रेज – तुम मुझे अपनी मूंछ का बाल काटकर दे दो तो मैं तुम्हें सौ रूपए दूंगा।
रामलाल – ये लो, लाओ सौ रूपए।
अंग्रेज – ये तो, सिर का बाल है।
रामलाल – सर, माल तो गोदाम से ही दिया जाता है शो रूम से नहीं।

* नमन श्रीवास्तव (शहडोल)

एक मित्र दूसरे मित्र से– इंसान के दिमाग को वैज्ञानिकों ने बहुत बड़ी चीज बताया है, पर मैं नहीं मानता।
दूसरा दोस्त – क्यों भई ?
पहला मित्र – क्योंकि वैज्ञानिकों के अनुसार इंसान का दिमाग जन्म से मृत्यु तक लगातार काम करता है, पर परीक्षा कक्ष में तो बंद हो जाता है न!

* आशीष शर्मा (उनाव बालाजी)